सृजन

वार्षिक पत्र — हिन्दी विभाग, सेट बीडज़ कॉलेज, शिमला

संस्करण 4 वर्ष 2018

राष्ट्रभाषा : हिन्दी

भारत में प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। आज़ादी से पहले ही यह निर्णय ले लिया गया था कि भारत की राजभाषा हिन्दी होगी। हिन्दी का क्षेत्र विशाल है। हिन्दी की अनेक बोलियां हैं। इन बोलियों में ब्रजभाषा और अवधी प्रमुख बोलियां है। यह बोलियां हिन्दी की विविधता हैं और उसकी शक्ति भी हैं।

आज के आधुनिक युग में अंग्रेज़ी बोलना बहुत ही गर्व का विषय माना जाता है। कभी सोचा है कि हम भारत में रहकर अंग्रेज़ी भाषा को आखिर इतना महत्त्व क्यों देते हैं? नेता हो या अभिनेता, आज प्रत्येक व्यक्ति अंग्रेज़ी में वार्तालाप करता है। यदि किसी व्यक्ति को अंग्रेज़ी भाषा का ज्ञान नहीं होता तो उसे अनपढ़ समझा जाता है। राजभाषा हिन्दी होने के बाद भी हम अंग्रेज़ी में बात करना पसंद करते हैं जबकि विदेशी अपनी राष्ट्रभाषा में ही बात करते है। फिर हम अपनी राजभाषा का प्रयोग करने मे क्यों संकोच करते हैं?

जब विदेशी राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री या अन्य विदेश मेहमान भारत आकर अपनी राजभाषा में भाषण देते हैं तो हमें भी विदेश जाकर अपनी हिंदी को किसी भी भाषा से कम नहीं आंकना चाहिए।

आज हिन्दी का महत्त्व इस कदर बढ़ गया है कि इसे आधुनिक तकनीक में भी अपनाया जा रहा है। अब हिन्दी रोज़गार का सहज साधन बन चुकी है। हिन्दी से जुड़कर हम भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण संसार से जुड़ सकते है। हिन्दी भाषा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि संसार में सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में एक है। इंग्लैंड, अमेरिका, कोरिया,जापान, चीन, नेपाल आदि देशों में लोग हिन्दी को बहुत पसंद कर रहे है। अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों में हिन्दी में पठन-पाठन हो रहा है। हिन्दी न केवल अपने में एक बड़ी परमम्रा, इतिहास, सभ्यता समेटे हुए है वरन् स्वतंत्रता संग्राम वज़न संघर्ष में और वर्तमान के बाज़ारवाद के खिलाफ भी उसका महत्त्व संसार में प्रसिद्ध है। किन्तु आज भी भारत में हिन्दी राज्य बहुत कम हैं जहाँ हिन्दी को बढ़ावा दिया जाता है। देश के अधिकतर राज्यों में हिन्दी न के बराबर बोली जाती है जिसका मतलब है कि हिन्दी का भविष्य खतरे में है।

हालात कुछ ऐसे हो चुके हैं कि हिन्दी भाषा को हिन्दी दिवस